S.A. II - 2019

धोरण - ६ - हिन्दी

जवाब 11/4 Date:- DN

विभाग - A - MCQ ना जवाब

प्रश्न	उत्तर	प्रश्न	उत्तर
1	A - आभूषण	21	C - करुणा का भाव
2	B. इम्तहान	22	C - प्रार्थना गीत
3	C. उद्यान - बगीचा	23	B - विकास
4	C - निन्दा	24	B - वस्तुओं पर
5	B - अनुत्तीर्ण	25	C - जुल्म और बेबसी
6	A - विजय × पराजय	26	B - इलाइजा
7	B - बहुत चमक होना	27	A - जेवरों की
8	C - बहुत क्रोधित होना	28	B - मानपत्रों की
9	A - बहुत आनंदित होना	29	C - पत्थर से
10	C - सत्यवादी	30	B - रात के ग्यारह
11	C - गुलदस्ता	31	C - पुस्तकों का महत्त्व
12	B - नवनिर्माण	32	C - वांचे गुजरात
13	A - भगवान - भगवती	33	A - ६ अंक
14	B - तरुणी	34	B - मक्का
15	A - चूड़ियाँ	35	C - वाजिद
16	C - बूँद - बूँद	36	B - पाँच सौ
17	A - होशियार	37	C - साइकिलवाला
18	A - तीन	38	A - मेधावी
19	B - किराएदार	39	C - अस्पताल
20	B - बीघों	40	B - किराया

Kantibhai
D.N. Anand

Date:-

S.A - II 2019

धोरण - ६ - हिन्दी

पेज नं. 1

❀ विभाग - B के उत्तर ❀

❀ प्रश्न - १ - ❀

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (किन्ही छः) (12)

(१) नेपोलियन और उसकी बहन के स्वभाव में क्या अंतर था?

उत्तर नेपोलियन नेक एवँ प्रामाणिक था। सच बोलने से डरता नहीं था। अपने कारण हुई दूसरे की हानि वह सहन नहीं कर सकता था। जबकि उसकी बहन इलाइज़ा स्वार्थी स्वभाव की थी। वह डरपोक थी और सच्चाई का सामना नहीं कर सकती थी। उसे केवल अपने बचाव की चिंता थी, दूसरों के नुकसान की नहीं। इस प्रकार दोनों के स्वभाव में अंतर था।

(२) किताबों का महत्त्व क्या है?

उत्तर किताबें हमें नया ज्ञान देती हैं एवं भले-बुरे का फर्क बताती हैं। किताबों से हमारी जिज्ञासा की पूर्ति होती है। ज्ञान-विज्ञान को गतिमान रखती हैं। किताबें मन के लिए साबुन का कार्य करती हैं। मन में जो अज्ञान है, अंधकार है उसे मिटाकर ज्ञान का संचार करती हैं।

(३) तेलियों ने कैसे सच्चा निर्णय किया?

उत्तर तेलियों ने घड़े के तेल को देखा, सूंघा और चखा। उन्होंने बताया कि घड़े का तेल दो महीने से ज्यादा पुराना नहीं है। इस प्रकार, तेल की गंध और स्वाद की पहचान कर तेलियों ने घड़े के तेल के बारे में सच्चा निर्णय किया।

(४) देवेन्द्र भिखारी को अस्पताल क्यों ले गया?

उत्तर अंधे भिखारी को किसीने साइकिल की टक्कर मार दी थी। उसकी टाँग में जख्म हो गया था। खून बह रहा था। भिखारी दुःख के मारे कराह रहा था। वह सड़क के बीचोबीच पड़ा था। उसे तुरंत इलाज की जरूरत थी। यह देखकर देवेन्द्र को दया आ गई। इसलिए देवेन्द्र उसे उपचार (इलाज) के लिए अस्पताल ले गया।

(५) कौमुदी ने गाँधीजी को भेंट में क्या-क्या दिया?

उत्तर कौमुदी ने गाँधीजी को भेंट में अपने हाथों की चूड़ियाँ, गले का स्वर्णहार और कानों के दो रत्नजड़ित बूंदे दिए।

→

(६) वाजिद को कैसे पता चला कि बर्तन में मोहरें हैं ?

उत्तर वाजिद जब घड़े की सील तोड़कर तेल निकालने लगा, तब घड़े से सिक्कों की आवाज़ आई। उसे लगा की घड़े में तेल के नीचे कुछ है। इसलिए उसने सारा तेल दूसरे बर्तन में निकाल लिया। इस तरह वाजिद को बर्तन में मोहरों का पता चला।

(७) प्रधानाध्यापक ने देवेन्द्र के घर फोन क्यों लगाया ?

उत्तर आज परीक्षा का पहला दिन था। परीक्षा शुरु हो गई थी, परंतु देवेन्द्र नहीं आया था। देवेन्द्र मेधावी छात्र था। उसके अभी तक न आने की प्रधानाध्यापक चिंतित हो उठे। उन्हें लगा कि रास्ते में वह किसी दुर्घटना का शिकार न हो गया हो। इसलिए स्थिति का पता लगाने के लिए उन्होंने देवेन्द्र के घर फ़ोन लगाया।

❀ प्रश्न - २ ❀

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (किन्हीं चार) (०४)

(१) 'सब का जीवन ही बन जाये मधुबन' का भावार्थ क्या है ?

उत्तर 'मधुवन' का अर्थ है - वह बगीचा जिस में सुंदर और खुशबूदार फूल खिले हों। हमारा जीवन बगीचे जैसा बनें। बगीचे के फूल अपनी सुगंध चारों ओर बिखरते हैं, उसी तरह हम भी लोगों के चेहरों पर उदासी नहीं रहें। उनका मन प्रसन्नता से भर जाएगा। वे आनंद और उल्लास का अनुभव करेंगे। हम भले काम करके अपना यश चारों ओर फैलाएं।

(२) समय और शक्ति की बचत कैसे होती है ?

उत्तर विज्ञान के नए नए उपकरणों के उपयोग से समय और शक्ति की बचत होती है। टेलीफोन, मोबाइल, फैक्स जैसे उपकरणों के माध्यम से समय की बचत होती है। बोम्ब से पहाड़ तोड़ा जा सकता है, जेसीबी से काम किया जा सकता है। जिस से समय-शक्ति की बचत होती है।

(३) धरती पर हर तरफ़ क्या है ? क्यों ?

उत्तर धरती पर हर तरफ़ा जुल्म और बेबसी है। हर आदमी डरा-डरा सा है। लोग अपने स्वार्थ में मानवता भूल गए हैं। सब के मन में बुराई आ गई है। कोई ऐसी शक्ति दिखाई नहीं देती जो अत्याचारियों का सामना करें और उन्हें लोगों को सताने से रोके।

(४) 'जय विज्ञान की' कविता में किस किस की जय बताई गई है ?

उत्तर 'जय विज्ञान की' कविता में कवि ने हमारे, हमारे किसान और विज्ञान की जय बताई है ।

(५) हम जगत में क्या अर्पण करना चाहते हैं ? क्यों ?

उत्तर हम **जगत** में खुशियाँ अर्पण करना चाहते हैं, क्योंकि खुशियाँ अर्पण करने से चारों ओर सुख-शांति होगी । आज जगत में बुराइयाँ बढ़ रही हैं । जीवन में सुख-शांति का अभाव है । लोग एक-दूसरे के शत्रु बन रहे हैं ।

⊛ प्रश्न- ३ - ⊛

(अ) काव्यपंक्ति पूर्ण कीजिए (03)

चलें समय के साथ सभी जो
दुनिया में यश पाएँगे,
इस वसुधा पर स्वर्ण-सवेरा
निज प्रयास से लाएँगे,
फिर करनी शुरुआत सभी को -
मानवता के गान की !

(ब) निम्नलिखित परिच्छेद का मातृभाषा में अनुवाद कीजिए । (03)

{ एक बार राजा कृष्णदेवराय के महल में एक सेवक ......
पूछने पर पता चला की वह टूट गया है ।

धो. ६ - हिन्दी पाठ्यपुस्तक - पेज नं. 35 ⤴

उत्तर -

<u>अनुवाद</u> :- एक वखत राजा कृष्णदेवरायना महेलमां एक नोकर (सेवक) कीमती सुंदर मोर साफ करी रह्यो हतो. असावधा (अचानक) तेना हाथमांथी मोर नीचे पडी जतां तूटी गयो. राजाने ते मोर खूब प्रिय हतो. ज्यारे राजा महेलमां आव्या, तेमने पोताना आ प्रिय मोर जोवा मळ्यो नहीं पूछवाथी (पूछताछ करवाथी) खबर पडी के ते मोर तूटी गयो छे,

(क) निम्नलिखित परिच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए । (04)

⟶

दुर्गावती बचपन से ही बहादुर थीं। .... वे तीर और बंदूक का अचूक निशाना लगाने में भी कुशल थीं।

धो - ६ हिन्दी पाठ्यपुस्तक पेज नं- 11

प्र-१ दुर्गावती को कैसे गुण विरासत में मिले थे?
उत्तर दुर्गावती को अटूट साहस और स्वाभिमान जैसे गुण विरासत में मिले थे।
प्र.२. दुर्गावती किसमें निपुण थी?
उत्तर दुर्गावती अस्त्र-शस्त्र चलाने में निपुण थी।
प्र.३ दुर्गावती बचपन से कैसी थी?
उत्तर दुर्गावती बचपन से बहादुर थीं।
प्र.४ दुर्गावती को विशेष रुचि किसमें थी?
उत्तर दुर्गावती को विशेष रुचि शिकार खेलने में थी।

प्रश्न - ४ -

(अ) निबंधलेखन (किसी एक विषय पर निबंध लिखिए) (06)

(१) विज्ञान का महत्त्व :-
[प्रस्तावना - विज्ञान युग - आविष्कार - लाभ - विविध क्षेत्रों में विज्ञान की देन - प्रगति - ज्ञान का विस्तृतीकरण - दुनिया संक्षिप्तीकरण की ओर - उपसंहार]

(२) डाकघर :-
डाकघर का परिचय - डाक का महत्त्व - विविध सुविधाएँ - समाज और राष्ट्र में डाक का उपयोग -]

(ब) पत्रलेखन :-
अपने आसपास की किसी भी घटना का वर्णन करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए। पी.6 हिन्दी- पेज नं- 21 प्रश्न-4 (04)

- पत्र भेजनेवाले का पता	
- दिनांक	(१) पता और दिनांक
- संबोधन	(२) संबोधन (प्रशस्ति) और अभिवादन
- अभिवादन	(३) पत्र का मध्य भाग (विषयवस्तु)
- पत्र लिखने का कारण	(४) समाप्ति (शिष्टाचार और हस्ताक्षर)
- अन्य समाचार	(५) प्रापकर्ता और प्रेषक के पते